Diploma in Karmakand : Vaidika Paurohitya

Ist Semester (प्रथम सेमेस्टर)

नित्यकर्म

DVP-C101

[Total Marks : 100 = External 70+ Internal 30]

नोट- यह प्रश्नपत्र पाँच यूनिटों में विभक्त है। जिनमें से अतिलघु ,लघु और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

इकाई (Unit)-I	सन्ध्या- वैदिक (मुख्य) तथा पौराणिक (गौण)।
इकाई (Unit)-II	देवयज्ञ- वैदिक (मुख्य) तथा पौराणिक (गौण)।
इकाई (Unit)-III	पितृयज्ञ तथा अतिथियज्ञ- वैदिक (मुख्य) तथा पौराणिक (गौण)।
इकाई (Unit)-IV	बलिवैश्वदेवयज्ञ - वैदिक (मुख्य) तथा पौराणिक (गौण)।
इकाई (Unit)-V	गृह्यसूत्रों का संक्षिप्त परिचय (दैनिक कार्यों के संबन्ध में)।

सहायक ग्रन्थ-

- पञ्चमहायज्ञविधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती , परोपकरिणी सभा अजमेर, राजस्थान।
- संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली, दिल्ली।
- कर्मठगुरु – मुकुन्दवल्लभ , मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
- धर्मशास्त्र का इतिहास- पी.वी. काणे, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ, उ.प्र.।
- क्यों? – माधवाचार्य एवं श्रीकण्ठशास्त्री , माधव विद्याभवन दिल्ली।
- नित्यकर्म विधि- सं. आचार्य राजवीर शास्त्री , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।
- नित्यकर्म विधि- पं. युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली सोनीपत, हरियाणा।
- वैदिकपाठ – डॉ. दिनेशचन्द्र शास्त्री दूरस्थ शिक्षा संकाय, गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखण्ड।